(34)(a) वन संसाधन, जल संसाधन एवं उनका संरक्षण।

07-46 सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन के रूप में वन आरंभ से ही मानव विकास के केंद्र रहे है। इसलिए वनों के बिना मानवीय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

हालाँकि बीते कुछ वर्षों में जिस प्रकार बिना सोचे समझे वनों की कटाई की जा रही है। उसे देखते हुए इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि जल्द ही हमें इसके भयावह परिणाम देखने को मिल रहे है।

16वीं भारत वन स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में देश में वनों से आच्छादित कुल क्षेत्रफल लगभग 8,07,276 वर्ग किमी॰ है, जो कि देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 24.56% है। भारत में वन संसाधन के वितरण में असमानता पायी जाती है।

सर्वाधिक वनावरण प्रतिशत वाले राज्य :-

मिजोरम	85.41%
अरुणाचल प्रदेश	79.63%
मेघालय	76.33%
मणिपुर	75.46%
नागालैंड	75.31%

स्रोत : ISFR रिपोर्ट

Scanned with CamScanner

सर्वाधिक वन क्षे. वाले राज्य

मध्यप्रदेश	77,482 वर्ग किमी
अरुणाचल प्रदेश	66,688 वर्ग किमी
छत्तीसगढ़	55,611 वर्ग किमी
ओडिशा	51,619 वर्ग किमी
महाराष्ट्र	50,778 वर्ग किमी

स्रोत : ISFR रिपोर्ट ।

भारत में अनेक प्रकार की प्राकृतिक वनस्पतियाँ पाई जाती हैं। वृहद अक्षांशीय विस्तार, तटीय फैलाव, वर्षा के वितरण की विषमता, उच्चावच, पर्वतीय विविधता तथा वनस्पतियों के प्रकार के कारण यहाँ वनों में व्यापक विषमता पाई जाती है। भारत के वनों को मुख्यत: छः वर्गों में वर्गीकृत किया गया है —

(i) उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन
(ii) उष्ण कटिबंधीय आर्द्रपर्णपाती वन
(iii) कँटीले वन
(iv) पर्वतीय वन
(v) ज्वारीय वन

वनों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभ : —

प्रत्यक्ष

- वन से भोजन के लिए कंद - मूल, फल - फूल की प्राप्ति ।
- फर्नीचर, जलावन
- उद्योगों के लिए कच्चा माल
- पशुओं के लिए चारा
- कोयला की प्राप्ति
- जड़ी - बूटी ।
- लाह, आय, आजीविका साधन

अप्रत्यक्ष

- रेगिस्तान फैलाव को रोकता है
- वायुमंडल में CO_2 को बढ़ने नहीं देता
- वातावरण में नमी ।
- जलवायु को स्वच्छ ।
- वर्षा में सहायक
- बाढ़ रोकना
- पर्यटन को आकर्षित ।

Scanned with CamScanner

वन संसाधन की समस्याएँ :—

(i) वन संसाधन का अत्यधिक दोहन - जनसंख्या वृद्धि के कारण वन का विनाश बढ़ने लगा है। अंधाधुंध कटाई की जा रही है।

(ii) कृषि भूमि तैयार करने लिए वनों का विनाश।

(iii) अतिचारण।

(iv) वनाग्नि

(v) स्थानांतरीय या झूमिंग कृषि

(vi) बहुउद्देशीय नदी - घाटी परियोजना के कार्यान्वयन के समय वन - विनाश।

संरक्षण

- वनों के पुराने व क्षतिग्रस्त पौधों को काटकर नए पौधे लगाना
- वनों को आग से बचाना।
- वन - कटाई पर प्रतिबंध
- वन तथा वन्य जीवों के संरक्षण का जन आंदोलन बनाना।
- सामाजिक वानिकी का प्रोत्साहन
- आम जनता को जागरूक।

वन संरक्षण संबंधी अधिनियम

- वन अधिनियम 1927
- वन संरक्षण अधिनियम 1980
- वन संरक्षण अधिकार अधिनियम 1988
- पशु अतिचार अधिनियम

Scanned with CamScanner